सेमेस्टर II

हिन्दी शिक्षण '7 A'

Unit II: **भाषिक योग्यताओं का विकास**

1. श्रव्य - दृश्य एवं मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का विकास
   a. भाषायी कौशलों का विकास
   b. भाषायी कौशलों का महत्व
   c. भाषा के कौशल
   d. श्रवण उद्देश्य एवं अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन
   e. श्रवण कौशल के लिए श्रव्य सामग्री का प्रयोग
   f. भाषायी कौशल - उच्चारण या बोलने का कौशल
   g. मौखिक अभिव्यक्ति की आवश्यकता

2. पठन - योग्यता का विकास
   a. पठन एवं वाचन शिक्षण कौशल
   b. विद्यालय में हिन्दी शिक्षक द्वारा सस्वर वाचन एवं मौन-वाचन के अवसर
   c. सस्वर वाचन व मौन वाचन में अन्तर
   d. वाचन शिक्षण की विधियाँ
   e. वाचन के लिए ध्यान देने योग्य बातें
   f. उच्चारण के भेद

3. लिखित अभिव्यक्ति क्षमता का विकास
   a. लेखन कौशल
   b. लेखन शिक्षण की आवश्यकता
   c. लेखन कौशल का महत्व
   d. लेखन शिक्षण का समय
   e. हिन्दी भाषा की लिखित शिक्षा
   f. लिखित अभिव्यक्ति की शिक्षण विधियाँ
   g. शुद्ध लेखन तत्व

By. Dr. Asha Kumari Gupta

Scanned with CamScanner

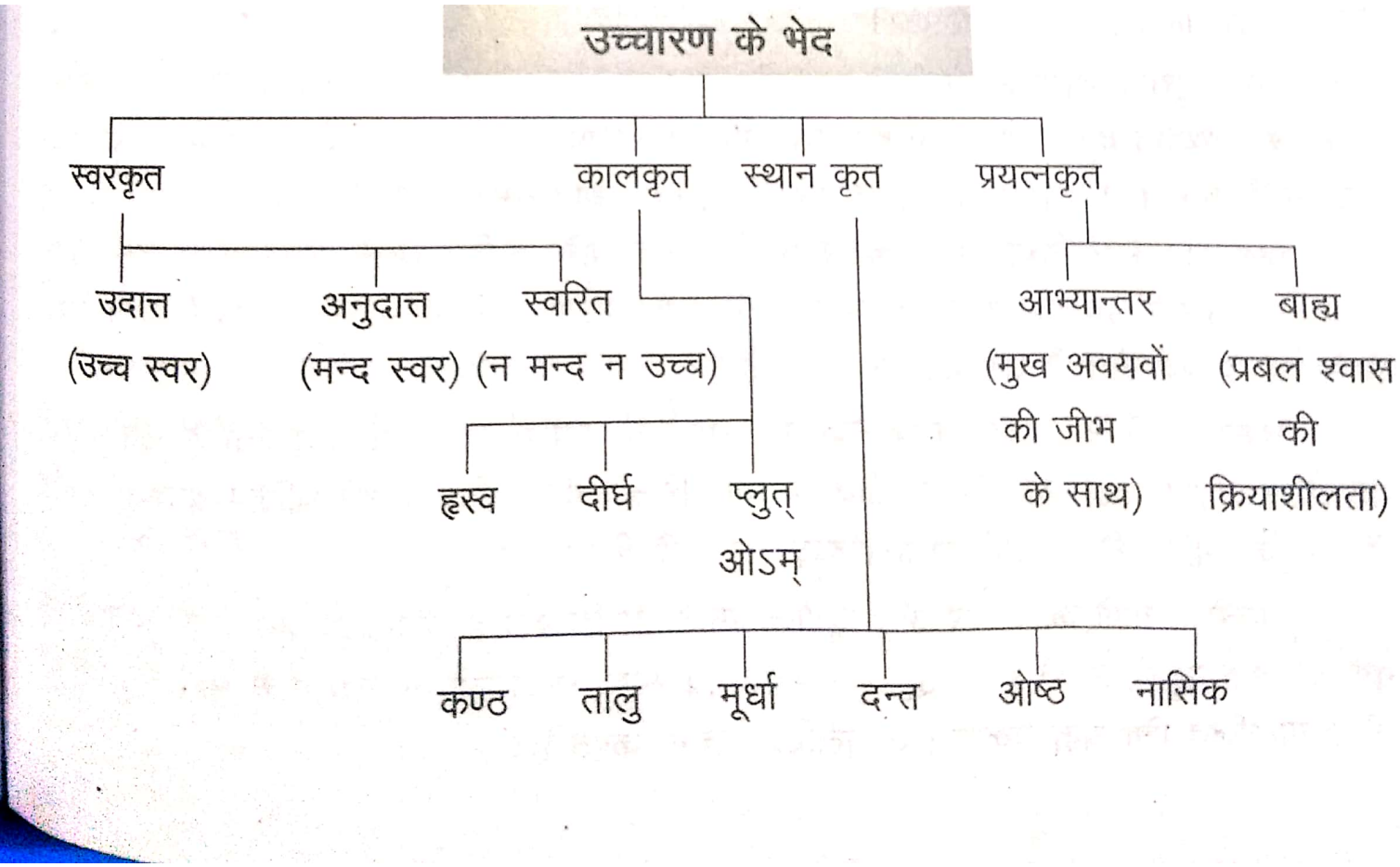

Scanned with CamScanner

(i) **कण्ठ**—जिह्वा का भीतरी भाग कण्ठ को स्पर्श करता है—क, ख, ग, घ, ङ।

(ii) **तालु**—जिह्वा का अग्रभाग तालु को स्पर्श करता है—च, छ, ज, झ, ञ, य, श।

(iii) **मूर्धन्य**—जिह्वा उल्टी होकर मूर्ध को स्पर्श करती है—ट, ठ, ड, ढ, ण, ङ, ष, र।

(iv) **दन्त्य**—जिह्वा का अग्र भाग दन्त मूल को स्पर्श करता है—त, थ, द, ध, न, स, ल।

(v) **ओष्ठय**—दोनों ओष्ठ परस्पर स्पर्श करते हैं—प, फ, ब, भ, म।

(vi) **कण्ठ तालु**—नासिक—ङ, ञ, ण, न, भ।

(vii) **कण्ठोष्ठ**—ङ, ञ, ण, न, भ।

(viii) **दन्तोष्ठ**—ब, फ।

गति की दृष्टि से छन्दों में जो विश्राम होता है उन्हें यति कहते हैं।

Scanned with CamScanner